# बृहत्तन्त्रसारः



| | | |
|---|---|---|
| अश्विनी<br>अ आ<br>देव | भरणी<br>इ<br>नर | कृत्तिका<br>ई उ ऊ<br>राक्षस |
| रोहिणी<br>ऋ ॠ ऌ ॡ<br>नर | मृगशिरा<br>ए<br>देव | आर्द्रा<br>ऐ<br>नर |
| पुनर्वसु<br>ओ औ<br>देव | पुष्या<br>क<br>देव | अश्लेषा<br>ख ग<br>राक्षस |
| मघा<br>घ ङ<br>राक्षस | पू.फल्गुनी<br>च<br>नर | उ.फल्गुनी<br>छ ज<br>नर |
| हस्ता<br>झ ञ<br>देव | चित्रा<br>ट ठ<br>राक्षस | स्वाती<br>ड<br>देव |
| विशाखा<br>ढ ण<br>राक्षस | अनुराधा<br>त थ द<br>देव | ज्येष्ठा<br>ध<br>राक्षस |
| मूला<br>न प फ<br>राक्षस | पू.आषाढा<br>ब<br>नर | उ.आषाढा<br>भ<br>नर |
| श्रवणा<br>म<br>देव | धनिष्ठा<br>य र<br>राक्षस | शतभिषा<br>ल<br>राक्षस |
| पू.भाद्रपदा<br>व श<br>नर | उ.भाद्रपदा<br>ष स ह<br>नर | रेवती<br>अं अः ल क्ष<br>देव |

*The nakṣatra-cakra: twenty-seven cells from Aśvinī to Revatī, each with its letters and whether it is divine, human or demonic.*

नक्षत्र चक्र: अश्विनी से रेवती तक सत्ताईस खाने, हर एक में उसके अक्षर और देव, नर या राक्षस वर्ग।

Drawn from the text's own construction rule. The verse, with its Sanskrit, word-by-word gloss and translation, is at https://occultguide.com/scripture/brihat-tantrasara/pariccheda-1-chapter-five-the-wheels#fig-v17